सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-224**
15/05/2017

मुख्यमंत्री के लोक संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पटना, 15 मई 2017 :– मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद सभाकक्ष में आज लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, श्रम संसाधन, ग्रामीण विकास (जीविका), कृषि, पशु एवं मत्स्य संसाधन, कला संस्कृति, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, योजना एवं विकास तथा पर्यावरण एवं वन विभाग से संबंधित मामलों पर लोगों द्वारा मुख्यमंत्री को अपना सुझाव दिया गया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में सीवान के विवेक तिवारी, पटना के राधा रत्न प्रभा, कटिहार के अमित गुप्ता, मुजफ्फरपुर के संतोष जायसवाल, पटना की श्वेता कुमारी ने अपने–अपने सुझाव एवं राय मुख्यमंत्री को दिया। प्राप्त सुझाव एवं राय पर संबंधित विभाग के प्रधान सचिव/सचिव ने वस्तुस्थिति को स्पष्ट किया। लोगों से प्राप्त सुझाव एवं राय पर मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कुछ सुझावों को बहुत अच्छा सुझाव माना और उन सुझावों को ग्रहण करने के संबंध में कार्रवाई का भी निर्देश दिया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, योजना एंव विकास मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, शिक्षा मंत्री श्री अशोक चौधरी, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री श्री अवधेश कुमार सिंह, कृषि मंत्री श्री रामबिचार राय, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री मदन सहनी, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती मंजू वर्मा, श्रम संसाधान मंत्री श्री विजय प्रकाश, कला संस्कृति एवं युवा मंत्री श्री शिवचन्द्र राम, अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण मंत्री श्री संतोष कुमार निराला, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री अब्दुल गफूर, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस माहनिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव उपस्थित थे।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम के पश्चात् मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुये कहा कि हमलोग दहेज प्रथा के खिलाफ सशक्त अभियान चलायेंगे। लोगों के बीच लिंग भेद की सोच को खत्म करना है। लोगों को समाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक करेंगे। आज महिलायें काफी आगे बढ़ी हैं। विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उन्हें प्रेरित किया गया है। आज बिहार में शिशु मृत्यु दर में गिरावट आयी है। यह गिरावट लड़कियों में उतनी नहीं आयी है। हम लोगों को जागरूक करने के लिये सशक्त अभियान चलायेंगे। लोगों को जागरूक करेंगे कि बेटा हो या बेटी बच्चों का इलाज तुरंत करना चाहिये। बिहार में लिंग अनुपात में सुधार आया है। यहॉ महिलाओं को जागृत कर संगठित करने के लिये अनेक कार्य किये गये हैं और किये जा रहे हैं। महिलाओं को पंचायती राज संस्थानों एवं नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। महिलाओं के बीच शिक्षा के लिये बालिका पोशाक योजना, साईकिल योजना विभिन्न छात्रवृति योजना चलाई जा रही है। साथ ही अब महिलाओं को राज्य सरकार की सभी सेवाओं में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में उन्हें स्वयं सहायता समूह के माध्यम से संगठित किया जा रहा है। इन सभी

चीजों का व्यापक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि समाजिक कुरीतियों के विरूद्ध अभियान से जुड़ने के लिये लोगों को प्रेरित करना हमारा मकसद है। उन्होंने कहा कि पहले दहेज प्रथा के शिकार संपन्न वर्ग के लोग होते थे, परंतु अब यह बीमारी सभी वर्गों में फैल रही है। हर तबके के लोगों में दहेज प्रथा के खिलाफ वातावरण तैयार करना है। इन सभी कामों में आप सभी लोगों का सहयोग चाहिये। उन्होनें आह्वान किया कि जिस शादी में दहेज लिया या दिया गया हो, उसमें शामिल नहीं हों।

राजद सुप्रीमो श्री लालू प्रसाद यादव पर लगे आरोपों के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि जो भी आरोप लगाया गया है उसका श्री लालू प्रसाद यादव एवं राजद द्वारा उत्तर दिया गया है, इसपर किसी तीसरे पक्ष को बोलने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने आरोप लगाया है अगर उन्हें लगता है कि आरोप सही हैं तो उन्हें आगे बढ़ना चाहिये, कानून का सहारा लें, सिर्फ वक्तव्य न दें। उन्होंने कहा कि लगाये गये आरोप कम्पनी एक्ट से संबंधित है, जो केन्द्र सरकार के दायरे में आती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के काम को दबाने के लिये यह सब किया जा रहा है। हमने अपने सभी सहयोगियों को कहा है कि सरकार जो काम कर रही है, उसमें दिलचस्पी रखिये। संपति की घोषणा से संबंधित पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि संपति की घोषणा को सार्वजनिक करने की पहल बिहार सरकार द्वारा 2011 में की गयी थी। सभी मंत्रियों को अपने चल एवं अचल संपति के बारे में घोषणा करना होता है और यह घोषणा सार्वजनिक किया जाता है। यह एक घोषणा है, यह किसी कानूनी प्रावधान के तहत नहीं है। इसका नैतिक एवं सामाजिक मूल्य है। सिर्फ मंत्री ही नहीं सभी विधानसभा के सदस्य, विधान परिषद के सदस्य भी अपनी संपति की घोषणा करते हैं। राज्य सरकार के तृतीय वर्ग के कर्मियों से लेकर राज्य के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक तक सभी अपने संपति की घोषणा करते हैं, जिसे सार्वजनिक किया जाता है। उन्होंने कहा कि कोई अपनी संपति क्यों छुपायेगा। मीडिया भारतीय संविधान का चौथ स्तंभ है, उनको अपना कार्य निष्पक्ष रूप से करना चाहिये, वे अपना कार्य करने के लिये स्वतंत्र हैं। सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्य काफी मायने रखती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम काम में ध्यान केन्द्रित रखते हैं। लोगों से नये आईडियाज सुनते हैं। हमारा काम है पॉजिटिव दिशा में काम करना। समाज में निगेटिविज्म तो हमेशा चलता है। हम लोगों में सकारात्मकता को ढूँढते हैं। हमें उनकी अच्छाइयों को लेकर आगे बढ़ना है। प्रधानमंत्री पद के संबंध में पूछे गये प्रश्न को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम 2019 में प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं। जनता ने जो काम करने का अवसर दिया है, हम वह काम करते रहते हैं। इससे आगे हम कुछ नहीं सोचते हैं। 2017 राष्ट्रपति चुनाव के संबंध में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव के लिये सत्ता पक्ष को आम सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिये। अगर सत्ता पक्ष ऐसा नहीं करता है तो विपक्ष का फर्ज बनता है कि वह साझा उम्मीदवार खड़ा करे। उन्होंने कहा कि मेरी समझ में सत्ता पक्ष को आम सहमति के लिये प्रयास करना चाहिये। ई0वी0एम0 के संबंध में पूछे गये प्रश्न का उत्तर देते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि लोगों की ई0वी0एम0 के संबंध में जो आशंकायें हैं उसको दूर करना चहिये। चुनाव में वी0वी0 पैट लागू हो। ई0वी0एम0 पर राजद और जदयू की अलग राय पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों अलग पार्टी हैं। अलग पर्टियों का विभिन्न विषयों पर अलग–अलग राय होता है। बिहार के मुद्दों पर हमारा साझा कार्यक्रम है। शराबबंदी के संबंध में पूछे गये पश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा नदी के साथ किसी भी नदी में शराब बहाना गलत है। शराब को बहाना नहीं नष्ट करना है। शराबबंदी में कोई भी पकड़ा जायेगा तो उसपर कड़ी कार्रवाई होगी। चाहे कोई भी हो, किसी को बख्शा नहीं जायेगा। कानून के सामने सभी बराबर हैं। उन्होंने कहा कि मैंने आज तक न किसी को फंसाया है न बचाया है।

******